भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
बी. ए. (ऑनर्स) भाषाविज्ञान सीबीसीएस (CBCS) प्रारूप

पाठ्यचर्या प्रकार	पाठ्यचर्या	कोड	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
प्रथम सेमेस्टर				
आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य	कंप्यूटर अनुप्रयोग		2	30
मूल पाठ्यक्रम (समूह ख)	**भाषा और भाषाविज्ञान**	**1BLTC1**	**4**	**60**
	हिंदी भाषा की संरचना	**1BLTC2**	**4**	**60**
मूल पाठ्यक्रम-1 अन्य विभाग (समूह क)	हिंदी /मनोविज्ञान		6	90
मूल पाठ्यक्रम-2 अन्य विभाग (समूह ग)	अंग्रेजी/मानवविज्ञान		6	90
सेमेस्टर-II				
आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य	भारतीय संविधान		2	30
मूल पाठ्यक्रम (समूह ख)	**स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान**	**2BLTC 1**	**4**	**60**
	लिपि और उसका भारतीय परिप्रेक्ष्य	**2BLTC 2**	**2**	**30**
मूल पाठ्यक्रम-1 अन्य विभाग (समूह क)	हिंदी /मनोविज्ञान		6	90
मूल पाठ्यक्रम-2 अन्य विभाग (समूह ग)	अंग्रेजी/मानवविज्ञान		6	90
सेमेस्टर-III				
आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य	हिंदी भाषा		2	30
मूल पाठ्यक्रम (समूह ख)	**हिंदी व्याकरण**	**3BLTC 1**	**4**	**60**
	भारतीय भाषा चिंतक	**3BLTC 2**	**2**	**30**
मूल पाठ्यक्रम-1 अन्य विभाग (समूह क)	हिंदी /मनोविज्ञान		6	90
मूल पाठ्यक्रम-2 अन्य विभाग (समूह ग)	अंग्रेजी/मानवविज्ञान		6	90
सेमेस्टर-IV				
आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य	अंग्रेजी/अन्य विदेशी भाषा		2	30
मूल पाठ्यक्रम (समूह ख)	**रूपविज्ञान**	**4BLTC 1**	**4**	**60**
	पाश्चात्य भाषा चिंतक	**4BLTC 2**	**2**	**30**
मूल पाठ्यक्रम-1 अन्य विभाग (समूह क)	हिंदी /मनोविज्ञान		6	90
मूल पाठ्यक्रम-2 अन्य विभाग (समूह ग)	अंग्रेजी/मानवविज्ञान		6	90
सेमेस्टर-V				
आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य	भारतीय संस्कृति		2	30
मूल पाठ्यक्रम (समूह ख)	**वाक्य विन्यास**	**5BLTC 1**	**4**	**60**
	अर्थविज्ञान	**5BLTC 2**	**4**	**60**
	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान	**5BLTC 3**	**4**	**60**
	अनुवादविज्ञान	**5BLTC 4**	**4**	**60**
	शैलीविज्ञान	**5BLTC 5**	**2**	**30**
सेमेस्टर-VI				
आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य	मानवाधिकार /भारतीय संविधान		2	30
मूल पाठ्यक्रम (समूह ख)	**भाषा और कंप्यूटर**	**6BLTC 1**	**4**	**60**
	समाजभाषाविज्ञान	**6BLTC 2**	**4**	**60**
	मनोभाषाविज्ञान	**6BLTC 3**	**4**	**60**
	भाषाशिक्षण	**6BLTC 4**	**4**	**60**
	कोशविज्ञान	**6BLTC 5**	**2**	**30**

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र 01: भाषा और भाषाविज्ञान (04 क्रेडिट)

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई - 1 भाषा		**10**	**05**
1	भाषा का अर्थ , भाषा की परिभाषा	02	01
2	भाषा की विशेषताएं	03	01
3	व्यक्ति बोली, बोली, उपभाषा और भाषा	02	02
4	वाचिक और लिखित भाषा	03	01
इकाई - 2 भाषाविज्ञान		**15**	**03**
1	भाषाविज्ञान क्या है?	02	01
2	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान	02	01
3	भाषाविज्ञान के अंग (स्वनविज्ञान,स्वनिमविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान अर्थविज्ञान)	03	01
4	भाषावैज्ञानिक अध्ययन की दिशाएं - वर्णानात्मक, तुलनात्मक, ऐतिहासिक	03	02
इकाई - 3 भाषा के घटक		**10**	**05**
1	स्वनिम	02	01
2	रूप और रूपिम	02	01
3	शब्द और पद	02	01
4	पदबंध, उपवाक्य और वाक्य	02	01
5	अर्थ	02	01
इकाई - 4 भाषा का अन्य विषयों से संबंध		**10**	**05**
1	भाषा और समाज	03	01
2	भाषा और मन	03	01
3	भाषा और साहित्य	02	01
4	भाषा और कंप्यूटर	02	02

संदर्भ ग्रंथ:

1. Akmajian, A, Richard, D., Farmer, A.K., Harnish, R. M. (2010). Linguistics: An Introduction to Language and communication. New Delhi: PHI.
2. Block, B. & Trager, G. L. (1972). Outline of Linguistic analysis. New Delhi: Munshiram Manoharlal.
3. Bloomfield, L. (2012). Language. Delhi: Motilal Banarasi Das.
4. Chomsky, N. (1986). Knowledge of Language: Its nature, origin, and use. New York: Praeger.
5. David, C. (2010). The Cambridge Encyclopedia of Language. Cambridge: Cambridge University Press.
6. Fromkin, V., & Rodman, R. (1998). An Introduction to Language. 6th edn, Fort Worth: Harcourt Brace.
7. Harnish, R. M., ed. (1994). Basic topics in the philosophy of language. Englewood Cliffs, N.J.: Prentice-Hall.
8. Hymes, D. H., ed. (1964). Language in culture and society. New York: Harper and Row.
9. Jakobson, R., & M. Halle. (1956). Fundamentals of Language, The Hague: Mouton.
10. Jespersen, O. (1924). The philosophy of grammar. London: Allen and Unwin.
11. Jesperson, O. (1968). Language: It's Nature, Development and Origin.Otto, London: Allen and Unwin.
12. Katz, J. (1966). The philosophy of language. New York: Harper and Row.
13 Lyons, J. (1981). Language and Linguistics. London: C.U.P.
14. Owens, R. E. (1984). Language development: An introduction. Columbus, Ohio: Charles E. Merrill Publishing Co.
15. Robins, R. H. (1965). General Linguistics: An Introductory Survey. Bloomington, Indiana University Press.

प्रश्नपत्र 02 : हिंदी भाषा की संरचना (02 क्रेडिट)

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यू.
इकाई 01: हिंदी भाषा की ध्वनि एवं संरचना		**10**	**05**
1	हिंदी की ध्वनियाँ और उनका वर्गीकरण	03	02

2	हिंदी की अक्षर संरचना	03	01
3	प्रत्ययीकरण	02	01
4	समासीकरण	02	01
इकाई	**02: हिंदी भाषा की रूप एवं वाक्यसंरचना**	**10**	**05**
1	हिंदी संज्ञा के कारकीय एवं बहुवचन रूप	03	02
2	हिंदी क्रिया, लिंग, वचन, पुरूष	02	01
3	हिंदी पदबंध संरचना और प्रकार	03	01
4	हिंदी वाक्य संरचना और प्रकार	02	01

संदर्भ-ग्रंथ

1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी: एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2. काचरू, यमुना. (1980). *हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन.
3. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
4. गुरु, कामता प्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
5. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
6. वाजपेयी, किशोरीदास. (1998). *हिंदी शब्दानुशासन*. काशी: नागरी प्रचारणी सभा.
7. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
8. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर
9. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार.
10. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company.
11. Kaul, Omkar Nath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield, USA: Dunwoody Press.
12. McGregor, R. S. (1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi: OUP.
13. Sharma, Aryendra. (1983). *A Basic Grammar of Modern Hindi*. New Delhi: Central Hindi Directorate.

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र 1 : स्वनविज्ञान और स्वनिम विज्ञान (Phonetics & Phonemics) (4 क्रेडिट)

क्र.सं.	**विषय**	**अध्यापन**	**ट्यू.**
इकाई – 1 : स्वनविज्ञान		**10**	**05**
1	स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप	03	02
2	स्वनविज्ञान की शाखाएँ	03	02
3	वागवयव	02	01
4	उच्चारण : स्थान एवं प्रयत्न (Articulation :Place and Manner	02	
इकाई -2 : खंडीय स्वन		**10**	**05**
1	स्वर : परिभाषा एवं स्वरूप	02	01
2	स्वर : वर्गीकरण के विविध आधार	03	02
3	व्यंजन : परिभाषा एवं स्वरूप	03	02
4	व्यंजन : वर्गीकरण के विविध आधार	03	02
इकाई – 3 : खंडेतर स्वन		**10**	**05**
1	दीर्घता (Length)	02	01
2	बलाघात (Stress)	03	01
3	सुर (Pitch)	02	02
4	संहिता (Juncture)	02	01
इकाई- 4 स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान (Phonetics and Phonemics)		**10**	**05**
1	स्वनविज्ञान बनाम स्वनिमविज्ञान (Phonetics vs. Phonemics)	05	03
2	स्वनिम, स्वन एवं संस्वन (Phoneme, Phone and Allophone)	05	02

प्रश्नपत्र 02. लिपि और उसका भारतीय परिप्रेक्ष्य (02 क्रेडिट)

क्रम	विषय	अध्यापन	ट्यू.
इकाई -1 : लिपि : स्वरूप और विकास		**10**	**05**
1	लिपि : परिभाषा एवं स्वरूप	02	01
2	लिपि का उद्भवऔर विकास	02	02
3	लिपि के प्रकार- चित्रलिपि, भावलिपि, सूत्रलिपि, आक्षरिक लिपि और वर्णनात्मक लिपि	03	01
4	लिपि और भाषा का अंत:संबंध	03	01
इकाई-2 : लिपि : भारतीय परिप्रेक्ष्य		**10**	**05**
1	प्राचीन भारतीय लिपियां – खरोष्ठी, ब्राह्मी	02	01
2	देवनागरी परिचय	02	02
3	देवनागरी लिपि : सुधार एवं मानकीकरण	03	01
4	स्वनिक लिप्यंकन	03	01

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र : हिंदी भाषा (अनिवार्य प्रश्नपत्र 02 क्रेडिट)

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यू.
इकाई 01: हिंदी भाषा :विविध पक्ष		**10**	**05**
1	**ऐतिहासिक:** हिंदी भाषा का उद्भव और विकास	02	01
2	**भौगोलिक:** हिंदी की बोलियाँ और उनका क्षेत्र	02	01
3	**प्रसारात्मक :** हिंदी का मानकीकरण एवं आधुनिकीकरण	02	01
4	**प्रकार्यात्मक:** राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा एवं विश्वभाषा	02	01
5	**संवैधानिक:** राजभाषा अधिनियम	02	01
इकाई 02: हिंदी भाषा : स्वरूप और प्रयोग		**10**	**05**
1	हिंदी वर्णमाला , हिंदी वर्तनी	02	01
2	संधि और समास	02	01
3	हिंदी का शब्दभंडार	02	01
4	हिंदी वाक्य (उद्देश्य, विधेय, अन्विति आदि)	02	01
5	आलेखन, टिप्पण, पत्राचार एवं पारिभाषिक शब्दावली	02	01

संदर्भ-ग्रंथ

1. गुरु, कामता प्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
2. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
4. बाहरी , हरदेव (2010). *हिंदी भाषा*, इलाहाबाद , अभिव्यक्ति प्रकाशन.
5. Sharma, Aryendra. (1983). *A Basic Grammar of Modern Hindi*. New Delhi: Central Hindi Directorate.
6. दास, ठाकुर (2007) कार्यालयीन हिंदी, जनवाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. भाटिया, कैलाशचंद्र, प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप (2005), तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र 01: हिंदी व्याकरण (04 क्रेडिट)

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यू.
इकाई 01: स्वर एवं व्यंजन		**10**	**05**
1	स्वर ध्वनियाँ - ह्रस्व, दीर्घ एवं प्लुत स्वर	05	02
2	व्यंजन ध्वनियाँ - वर्गीय ध्वनियाँ, वर्गीय ध्वनियों में घोषत्व एवं प्राणत्व,अंतस्थ ध्वनियाँ , ऊष्म ध्वनियाँ	05	03

इकाई 02: संधि एवं समास		**10**	**05**
1	संधि की परिभाषा	05	02
2	संधि के प्रकार - स्वर संधि, व्यंजन संधि , विसर्ग संधि		
3	समास की परिभाषा	**10**	**05**
4	समास के प्रकार - द्वंद्व समास , द्विगु समास, तत्पुरुष समास, कर्मधारय समास, बहुव्रीहि समास, अव्ययीभाव समास		
इकाई 03: शब्द संरचना		**10**	**05**
1	शब्द एवं पद	02	01
2	उपसर्ग	03	01
3	प्रत्यय - कृदंत प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, स्त्रीवाची प्रत्यय, पुरुषवाची प्रत्यय	05	03
इकाई 04: वाक्य के घटक		**10**	**05**
1	उद्देश्य एवं विधेय	01	02
2	वाक्य की आवश्यकता – योग्यता, आकांक्षा, सन्निधि	02	01
3	वाक्य के प्रकार	04	01
4	वाक्य और अन्विति	03	01

संदर्भ-ग्रंथ

1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी : एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2. काचरू, यमुना. (1980). *हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन.
3. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
4. गुरु, कामता प्रसाद. (1997). *हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा.
5. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
6. वाजपेयी, किशोरीदास. (1998). *हिंदी शब्दानुशासन*. काशी: नागरी प्रचारणी सभा.
7. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
8. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर.
9. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार.
10. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company.
11. Kaul, Omkar Nath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield, USA: Dunwoody Press.
12. McGregor, R. S. (1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi: OUP.
13. Sharma, Aryendra. (1983). *A Basic Grammar of Modern Hindi*. New Delhi: Central Hindi Directorate.

प्रश्नपत्र 02: भारतीय भाषा चिंतक (02 क्रेडिट)

क्र.सं.	**विषय**	**अध्यापन**	**ट्यू.**
इकाई – 1 संस्कृतकालीन चिंतन और चिंतक		**10**	**05**
1	वैदिक भाषा चिंतन	02	02
2	यास्क और निरुक्त	02	01
3	मुनित्रय – पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि	03	01
4	संस्कृत वैयाकरणिक परंपरा में ध्वनि, शब्द और वाक्य संबंधी प्रमुख अवधारणाएँ	03	01
इकाई – 2 आधुनिक भारतीय भाषाचिंतक		**10**	**05**
1	प्रमुख भाषा चिंतक – 1. सुनिति कुमार चटर्जी 2. उदय नारायण तिवारी 3. रामकृष्ण गोपाल भंडारकर 4. आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा 5. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव	05	02
2	प्रमुख हिंदी वैयाकरण - कामताप्रसाद गुरु, आचार्य किशोरी दास वाजपेयी, सूरजभान सिंह	05	03

संदर्भ ग्रंथ –

1. Culler, J. (1986). Ferdinand de Saussure. 2nd edn, Ithaca, New York: Cornell University Press.
2. Geoffrey, S. (1980). Schools of Linguistics. London: Hutchinson.
3. Jespersen, O. (1924). The philosophy of grammar. London: Allen and Unwin.
4. Kapoor, Kapil. (2010). Dimensions of Panini Grammar.New Delhi : D.K. Printword (P) Ltd.
5. Lyons, J. (1970). Noam Chomsky. New York: Viking Press.
6. Mishra, Vidyaniwas. (1966). The Descriptive Technique of Panini.Mouton.

7. Robins, R.H. (1990). A Short History of Linguistics. London: Longman
8. अयंगार, वी.कृष्णस्वामी . (1981). पाणिनीय व्याकरण प्रवेश. आगरा: उमा मेहरा एंड कंपनी
9. अय्यर, के.ए.एस. (1991). भर्तृहरि का वाक्य पदीय. जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
10.अरस्तू. (2003).काव्यशास्त्र . – अनु. डॉ. नगेंद्र, इलाहाबाद: भारती भंडार.
11. देशपांडे, गणेश त्र्यंबक. (1961). भारतीय साहित्य शास्त्र . बंबई: पापुलर बुक डिपो.
12. मिश्र, विद्यानिवास, विद्यालंकार, अनिल, चतुर्वेदी, माणिकलाल. (1994). भारतीय भाषाशास्त्रीदय चिंतन, जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादेमी
13. मिश्र, विद्यानिवास. (1978). भारतीय भाषाशास्त्रीलय चिंतन की पीठिका, पटना: बिहार राष्ट्रयभाषा परिषद.
14. मीमांसक, युधिष्ठिर. (?). संस्कृत व्याकरण का इतिहास. वाराणसी: चौखंभा.
15. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1984). भाषाशास्त्रा के सूत्रधार. नयी दिल्लीह: नेशनल पब्लिशिंग हाउस.

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र 01. रूपविज्ञान (04 क्रेडिट)

क्रम	विषय	अध्यापन	ट्यू.
इकाई -1 : रूपविज्ञान : परिचय		**10**	**05**
1	रूपविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप	02	01
2	रूपविज्ञान की शाखाएँ 1. व्युत्पादक रूपविज्ञान : शब्द रचना, 2. रूपसाधक रूपविज्ञान : पद रचना	08	04
इकाई – 2 रूपिम, रूप और संरूप		**10**	**05**
1	रूपिम : अवधारणा	02	01
2	रूपिम, रूप और संरूप	02	01
3	रूपिम के प्रकार	03	02
4	रूपिम और शब्द	03	01
इकाई – 3 शब्द और शब्दांश		**10**	**05**
1	मूल शब्द (धातु, प्रातिपादिक)	02	01
2	उपसर्ग, मध्यसर्ग	02	01
3	प्रत्यय	03	02
4	शब्द और शब्दरूप (पद)	03	01
इकाई – 4 शब्दवर्ग और व्याकरणिक कोटियां		**10**	**05**
1	शब्दवर्ग	05	03
2	व्याकरणिक कोटियां	05	02

प्रश्नपत्र 02 : पाश्चात्य भाषा चिंतक (02 क्रेडिट)

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई – I पश्चिम में भाषा चिंतन का उद्भव		**10**	**05**
1	ग्रीक, रोमन चिंतन और प्रमुख दार्शनिकों (प्लेटो, अरस्तू) के मत	02	01
2	मध्यकाल और नवजागरणकाल	03	01
3	नववैयाकरण	02	01
4	सस्यूर और आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय	03	01
इकाई – II आधुनिक भाषाविज्ञान : विविध संप्रदाय		**10**	**05**
1	संरचनात्मक भाषाविज्ञान के संप्रदाय और ब्लूमफील्ड	02	01
2	प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान के संप्रदाय	03	01
3	लंदन संप्रदाय	03	01

4	चॉम्स्की और रूपांतरक प्रजनक व्याकरण	02	01

पंचम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र 01: वाक्य विन्यास (04 क्रेडिट)

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई -1 : वाक्य : परिचय		**10**	**05**
1	वाक्य की परिभाषा	02	02
2	वाक्य के अंग (उद्देश्य, विधेय)	02	01
3	वाक्य के प्रकार (अल्पांग वाक्य, पूर्ण वाक्य, सरल वाक्य, मिश्र वाक्य संयुक्त वाक्य)	03	01
4	वाक्य युक्तियाँ	03	01
इकाई – 2 वाक्य रचना के तत्व		**10**	**05**
1	पद, पदबंध और उपवाक्य	03	01
2	क्रिया और कारकीय संबंध	03	01
3	अर्थ-संगति	02	02
4	वाक्य रचना और अध्याहार	02	01
इकाई – 3 सरल वाक्य		**10**	**05**
1	सरल वाक्य की परिभाषा	02	
2	सरल वाक्य के अनिवार्य एवं ऐच्छिक घटक	02	01
3	सरल वाक्य के प्रकार (बीज वाक्य, रूपांतरित वाक्य, नकारात्मक, प्रश्नवाचक आदि)	03	03
4	सरल वाक्य का विस्तार	03	01
इकाई – 4 मिश्र एवं संयुक्त वाक्य		**10**	**05**
1	मिश्रवाक्य की परिभाषा	02	
2	मिश्रवाक्य के घटक 1. मुख्य उपवाक्य 2. मुख्य उपवाक्य 3. आश्रित उपवाक्य 4. आश्रित उपवाक्य के प्रकार (संज्ञा उपवाक्य, विशेषण उपवाक्य, क्रियाविशेषण उपवाक्य)	03	03
3	संयुक्त वाक्य की परिभाषा	02	
4	संयुक्त वाक्य के प्रकार (योजक, नियोजक, विपरीतार्थक, कारणसूचक , परिणामसूचक	03	02

प्रश्नपत्र 02 : अर्थविज्ञान (Semantics) (04 क्रेडिट)

क्रम	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई - 1 अर्थ : विविध आयाम		**10**	**05**
1	अर्थ की संकल्पना	02	01
2	अर्थ के प्रकार – वर्णनात्मक, भावात्मक और संवेगात्मक	03	01
3	आशय एवं प्रसंग	02	02
4	वाच्यार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंग्यार्थ	03	01
इकाई – 1 अर्थ विज्ञान		**10**	**05**
1	पर्यायता (Synonymy)	02	01
2	अनेकार्थता (Polysemy)	02	01
3	विलोमता (Antonymy)	02	01
4	समनामता (Homonymy)	02	01
5	अधिनामिता और अवनामिता (Hypernymy & Hyponymy)	02	01
इकाई – 3 अर्थ प्रतिपादनके स्तर		**10**	**05**

1	शब्द (Word)	02	01
2	प्रकृति और प्रत्यय (Base and Suffix)	02	01
3	बहुशब्द अभिव्यक्तियां (Multiple Word Expressions)	02	01
4	वाक्य	02	01
5	प्रोक्ति और पाठ (Discourse and Text)	02	01
इकाई – 4 अर्थ का संकेतप्रयोगवैज्ञानिक पक्ष		**10**	**05**
1	पूर्वमान्यता (Presupposition)	02	02
2	अनुलग्नता (Entailment)	03	01
3	निहितार्थ (Implicature)	02	01
4	वाक् घटनाएं (Speech Acts)	03	01

InHk xFk %&

1. *Hkk"kk ykukFk frokjh] fgnh Hkk"kk dh vkFkh lajpuk*
2. Stephen C. Levinson, Pragmatics
3. Leech, Geoffrey (1974) *Semantics*, London, Penguin.
4. Matthews Peter (1979) *Generative Grammar and Linguistic Competence*, London, Allen & Unwin.
5. Matthews Peter (1981) *Syntax*, Cambridge, Cambridge University Press.
6. Palmer Frank (1976) . *Semantics: A New Outline*, Cambridge, Cambridge University Press.
7. Wierzbicka, Anna (1996) *Semantics: Primes and Universals*, Oxford, Oxford University Press.
8. Fodor, J.D. 1977. Semantics: Hillsdale, N.J. : Lawrence Erlbaum Associates.
9. Fodor, J. D. 1977. Semantics : Theories of meaning in generative grammar. New York : Crowell.
10. Jackendoff, R. 1972. Semantic interpretation in generative grammar. Cambrideg, Mass.: MIT Press.
11. Kempson, R. 1977. Semantic theory. Cambridge: Cambridge University Press.
12. Lehrer, K., and A. Lehrer, eds. 1970. Theory of meaning. Englewood Cliffs, N.J. : prentice-Hall.
13. Lepore, E., ed. 1987. New directions in semantics. New York : Academic Press.
14. Lyons, J. 1977. Semantics. 2 vols. Cambridge: Cambridge University Press.
15. Platts, M. 1979, Ways of meaning. London: Routledge and Kegan Paul.
16. Schiffer, S. 1988. Meaning. 2nd ed. Oxford : Oxford University Press.
17. Miller, G., and P. Johnson-Laird. 1976. Language and perception. Cambridge, Mass.: Harvard University Press.

प्रश्नपत्र 03: ऐतिहासिक भाषाविज्ञान (Historical Linguistics) (04 क्रेडिट)

क्रम	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई - 1 वैचारिक पृष्ठभूमि और अध्ययन के स्रोत		**10**	**05**
1	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का परिचय	02	01
2	समकालिक एवं कालक्रमिक दृष्टिकोण	02	01
3	भाषा का कालक्रमिक विकास	03	01
4	भाषा की परिवर्तनशीलता : अध्ययन की विधि और स्रोत	03	02
इकाई – 2 भाषा परिवर्तन की नियमितता और परिवर्तन के नियम		**10**	**05**
1	नव्य वैयाकरण	05	03
2	ग्रिम एवं वर्नर के नियम	05	02
इकाई – 3 भाषा परिवर्तन – कारण और प्रकार		**10**	**05**
1	ध्वनि परिवर्तन	03	02
2	रूप परिवर्तन	03	01
3	वाक्य परिवर्तन	02	01
4	अर्थ परिवर्तन	02	01
इकाई – 4 ऐतिहासिक भाषाविज्ञान की विशिष्ट विधियां एवं अध्ययन क्षेत्र		**10**	**05**
1	शब्दसांख्यिकी (Lexicostatistics)	03	01
2	आंतरिक पुनर्रचना (Internal Reconstruction)	03	01
3	तुलनात्मक पुनर्रचना (Comparative Reconstruction)	02	02
4	भाषा आदान	02	01

प्रश्नपत्र 04: अनुवाद विज्ञान (04 क्रेडिट)

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई – I	**अनुवाद : स्वरूप एवं प्रकृति**	**10**	**05**
1	अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप	02	01
2	अनुवाद : क्षेत्र और प्रकृति	02	02
3	अनुवाद के प्रकार	03	01
4	अनुवाद में समतुल्यता	03	01
इकाई – 2	**अनुवाद के विभिन्न सोपान**	**10**	**05**
1	पाठ-पठन	02	02
2	विश्लेषण	02	01
3	अंतरण	03	01
4	पुनर्गठन	03	01
इकाई – 3	**अनुवाद : विविध पक्ष**	**10**	**05**
1	अनुवाद का भाषावैज्ञानिक पक्ष	03	01
2	अनुवाद का सामाजिक पक्ष	02	02
3	अनुवाद का सांस्कृतिक पक्ष	03	01
4	अनुवाद का तकनीकी पक्ष	02	01
इकाई – 4	**अनुवाद समीक्षा**	**10**	**05**
1	अनुवाद पुनरीक्षण	03	02
2	अनुवाद संपादन	02	01
3	अनुवाद मूल्यांकन	03	01
4	अनुवादनीयता एवं अननूदयता	02	01

संदर्भ ग्रंथ :

1. Catford, J.C. (1965). A *Linguistic Theory of Translation*. London: Oxford University Press.
2. Cronin, M. (2003). *Translation and Globalization*. London: Routledge
3. Newmark, P. (1981). *Approches to Translation*. Oxford: Pergamon Press.
4. Nida, E.A. & Taber, C. R. (1982). *The Theory and Practice of Translation*. London: Brill.
5. Nida, E.A. (1964). *Toward a Science of Translating*. Leiden: Brill.
6. Nirenburg, S. (1987). *Machine Translation: Theoretical & Methodological Issues*. Cambridge: Cambridge Uni. Press.
7. Vennti, L. (2000). *The Translation Studies Reader*. London: Routledge.
8. कुमार , सुरेश. (1986). *अनुवाद सिद्धांत की रूपेरखा*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
9. गोपीनाथन, जी. (?). *अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग*. दिल्ली: लोकभारती.
10. गोस्वामी, कृष्णकुमार, और श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ. (1985). *अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ*. दिल्ली: आलेख प्रकाशन.
11. सिंह, दिलीप. और शर्मा, ऋषभदेव (सं.). (2009). *अनुवाद का सामयिक परिप्रेक्ष्य*. चेन्नै: द.भा.हिं.प्र. सभा.
12. सिंह, सूरजभान. (2006). *अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण*. दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.

प्रश्नपत्र 05: शैलीविज्ञान 02 क्रेडिट

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यू.
इकाई	**01: शैली और शैलीविज्ञान**	**10**	**05**
1	शैली : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप (सामान्य भाषा और साहित्य भाषा)	03	02
2	शैली की संकल्पना - 1. बर्हिर्निष्ठ और अंतर्निष्ठ शैली 2. शैली और विधा	03	01
3	शैलीविज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र और स्वरूप	02	01
4	शैलीवैज्ञानिक समीक्षा	02	01
इकाई	**02: शैली के प्रतिमान**	**10**	**05**

1	अग्रप्रस्तुति - 1.विचलन 2. समानांतरता 3. विपथन 4. विरलता	03	02
2	शैलीचिह्नक	02	01

षष्ठ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र 01: भाषा और कंप्यूटर

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई – I भाषा प्रौद्योगिकी : स्वरूप		**10**	**05**
1	भाषा प्रौद्योगिकी : परिचय	02	01
2	भाषा प्रौद्योगिकी : आवश्यकता एवं लक्ष्य	03	01
3	भाषा प्रौद्योगिकी : वैश्विक परिदृश्य	02	01
4	भाषा प्रौद्योगिकी : भारतीय परिदृश्य	03	01
इकाई – II भाषा प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा संसाधन		**10**	**05**
1	प्राकृतिक भाषा संसाधन : परिचय	02	01
2	प्राकृतिक भाषा संसाधन और भाषा प्रौद्योगिकी	03	01
3	प्राकृतिक भाषा संसाधन के प्रकार	03	01
4	प्राकृतिक भाषा संसाधन के स्तर	02	01
इकाई – III भाषा प्रौद्योगिकी के प्रमुख अनुप्रयोग क्षेत्र		**10**	**05**
1	मशीनी अनुवाद	02	01
2	सूचना प्रत्यानयन	03	01
3	प्रकाशिक अक्षर अभिज्ञान (OCR), लिप्यंतरण, पाठ सारांशीकरण	02	01
4	कंप्यूटर साधित भाषा शिक्षण	03	01
5	कृत्रिम बुद्धि		
इकाई – IV भाषा प्रौद्योगिकी के संदर्भ में कंप्यूटर ज्ञान		**10**	**05**
1	कंप्यूटर : संरचना (हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, इनपुट-प्रोसेसिंग-आउटपुट)	02	01
2	कंप्यूटर के विविध अनुप्रयोग	03	01
3	कंप्यूटर और भाषा प्रौद्योगिकी	03	01
4	भाषा प्रौद्योगिकी के संदर्भ में कंप्यूटर में प्रोग्रामिंग एवं डाटाबेस: परिचय	02	01

प्रश्नपत्र 02 : समाजभाषाविज्ञान (04 क्रेडिट)

क्र.स.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई – 1 समाजभाषाविज्ञान		**10**	**05**
1	समाजभाषाविज्ञान का स्वरूप	01	01
2	भाषाविज्ञान और समाजभाषाविज्ञान	02	01
3	भाषा का सामाजिक संदर्भ	02	01
4	भाषा का समाजशास्त्र बनाम समाज भाषाविज्ञान	05	02
इकाई -2 समाज भाषाविज्ञान की अवधारणा एवं प्रकृति		**10**	**05**
1	भाषा और समाज	02	01
2	भाषा, समाज और वैविध्य	02	01
3	व्यक्तिबोली, भाषा-बोली, मानक भाषा, सामाजिक बोलियां , शैलियां, प्रयुक्तियां, अपभाषा	01	
इकाई – 3 भाषा संपर्क		**10**	**05**
1	कोड मिश्रण और कोड परिवर्तन	02	01
2	पिजिन, क्रियोल, पिजिन-क्रियोलीकरण	03	01
3	भाषाद्वैत (Diglocsia)	03	02
4	द्विभाषिकता और बहुभाषिकता	02	01

मॉड्यूल- 4 भाषा नीति और नियोजन		**10**	**05**
1	नीति निर्धारण : शिक्षा, प्रशासन, प्रौद्योगिकी आदि के संदर्भ में	01	01
2	भाषाविकास (आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण), लिपि, तकनीकी शब्दावली, साक्षरता आदि के संदर्भ में	02	

प्रश्नपत्र 03 : मनोभाषाविज्ञान (04 क्रेडिट)

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई – 1		**10**	**05**
1.	मनोविज्ञान : अर्थ और परिभाषा	02	02
2.	भाषा : परिभाषा और अभिलक्षण	02	01
3.	मानव भाषा और मानवेतर संकेत प्रणालियाँ	03	01
4.	मनोभाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास	03	01
इकाई -2		**10**	**05**
1.	भाषा उत्पादन	02	02
2.	भाषा अर्जन	02	01
3.	बालभाषा का विकास और बालभाषा के अंग	03	01
4.	भाषा अर्जन के प्रमुख सिद्धांत	03	01
इकाई – 3		**10**	**05**
1.	प्रत्यक्ष ज्ञान और भाषा	02	01
2.	संवेदना, स्मृति और कल्पना तथा इनकी भाषा अर्जन में भूमिका	03	01
3.	संप्रत्यय निर्माण और संप्रत्यय अधिगम की प्रक्रियाएँ	03	02
4.	भाषा और विचार	02	01
मॉड्यूल- 4 भाषा नीति और नियोजन		**10**	**05**
1.	संज्ञानात्मक कोटियाँ (संख्या, वचन, नकारत्व इ.) और सामाजिक कोटियाँ (संबंध, लिंग)	02	02
2.	भाषा अधिगम के सिद्धांत	02	01
3.	व्यक्तित्व : परिभाषा और निर्धारक तत्व	03	01
4.	व्यक्तित्व और भाषा	03	01

प्रश्नपत्र 04 : भाषा शिक्षण

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई – 1 भाषाशिक्षण : अर्थ और स्वरूप		**10**	**05**
1	भाषाशिक्षण से अभिप्राय	02	01
2	भाषा शिक्षण के उद्देश्य	03	01
3	प्रथम, द्वितीय एवं विदेशी भाषा शिक्षण	03	01
4	मातृभाषा व्याघात	02	02
इकाई – 2 भाषा कौशल एवं उनका विकास		**10**	**05**
1	श्रवण	02	01
2	भाषण	02	01
3	वाचन (पठन)	03	01
4	लेखन	03	02
इकाई – 3 भाषा शिक्षण की विधियां		**10**	**05**
1	व्याकरण अनुवाद विधि	03	01
2	प्रत्यक्ष विधि	03	01
3	संरचनात्मक विधि	02	01
4	संप्रेषणात्मक विधि	02	02
ईकाई – 4 भाषा शिक्षण प्रक्रिया		**10**	**05**
1	शिक्षण सामग्री निर्माण	03	01

2	पाठ नियोजन और शिक्षण	03	01
3	भाषा शिक्षण में सहायक सामग्री	02	01
4	परीक्षण और मूल्यांकन	02	02

प्रश्नपत्र 05: कोशविज्ञान

क्र.सं.	विषय	अध्यापन	ट्यूटोरियल
इकाई – 1 कोश और कोशविज्ञान		**10**	**05**
1	कोश : अर्थ और परिभाषा	02	01
2	कोशों के प्रकार	04	02
3	कोशविज्ञान : अर्थ एवं परिभाषा	02	01
4	कोशविज्ञान और कोशकला (Lexicology & Lexicography)	02	02
इकाई – 2 कोश निर्माण, कोशावलोकन		**10**	**05**
1	कोश निर्माण : पूर्वनियोजन, आकार, प्रकार का निर्धारण, प्रविष्टि के स्वरूप का निर्धारण	03	02
2	कोश निर्माण प्रक्रिया (सामग्री संकलन, प्रविष्टि चयन, टंकण और मुद्रण)	03	01
3	कोशावलोकन की विधि	02	01
4	अंग्रेजी और हिंदी के कुछ प्रमुख कोश	02	01